पढ़ो पंजाब पढ़ाओ पंजाब, जालंधर

कक्षा - छठी

पाठ - 5

ईमानदार शंकर

1. नीचे गुरूमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें :-

ਸ਼ੰਕਰ = **शंकर**
ਮਾਰਗ = **मार्ग**
ਹਲਵਾਈ = **हलवाई**
ਚਲਦੇ-ਚਲਦੇ = **चलते-चलते**
ਸੁਭਾਅ = **स्वभाव**
ਮਿਹਨਤ = **मेहनत**
ਗਰਮੀ = **गर्मी**
ਪੰਜ = **पाँच**
ਪਿਆਰ = **प्यार**
ਕੰਮ = **काम**
ਅਨੰਦ = **आनंद**
ਤਿਆਰ = **तैयार**

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਮਿਹਨਤ = **श्रम**
ਦਾਖਲ = **प्रवेश**
ਖੁਸ਼ = **प्रसन्न**
ਰੌਸ਼ਨੀ = **उजाला**

3. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

प्र-(क) कहानी में ईमानदार बालक का क्या नाम है ?
उ-(क) कहानी में ईमानदार बालक का नाम शंकर है ।

प्र-(ख) शंकर का कैसा स्वभाव था ?
उ-(ख) शंकर का स्वभाव कड़ी मेहनत करना था।

प्र-(ग) शंकर धन कमाने के लिए गाँव से कहाँ गया ?
उ-(ग) शंकर धन कमाने के लिए गाँव से नगर की ओर गया ।

प्र-(घ) शंकर को दुकान के आगे से क्या मिला ?
उ-(घ) शंकर को दुकान के आगे से पाँच रुपये का नोट मिला ।

प्र-(ङ) लेखक ने कहानी में सुख की खान किसे कहा है ?
उ-(ङ) लेखक ने कहानी में सुख की खान ईमानदारी को कहा है।

4. चार - पाँच वाक्यों में उत्तर दें :-

प्र-(क) शंकर ने हलवाई को पाँच रुपये का नोट क्यों दे दिया ?
उ-(क) शंकर जब गाँव से शहर आया तो रात हो गई थी और वह थका हुआ भी था । वह एक हलवाई की दुकान के आगे लगे तख़्ते पर ही सो गया । सवेरा होने पर उसकी नज़र तख़्ते के पास पड़े पाँच रुपये के नोट पर जा पड़ी । उसने वह नोट उठा लिया और सोचा कि यह नोट ज़रूर हलवाई का ही होगा जो रात को दुकान बंद करते समय गिर गया होगा। इसलिए उसने वह नोट हलवाई को दे दिया ।

प्र-(ख) हलवाई ने शंकर को नौकरी क्यों दे दी ?

उ-(ख) हलवाई को शंकर एक मेहनती बालक लगा । पाँच रुपये का नोट देकर वह ईमानदारी तो पहले ही सिद्ध कर चुका था इसलिए हलवाई ने शंकर को नौकरी दे दी ।

5. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखें :-

(क) उसने सोचा रात पानी पीकर ही बिता दूँगा ।

- उन्होंने सोचा रात पानी पीकर ही बिता देंगे ।

(ख) वह पैदल चलते - चलते थक गया था ।

- वे पैदल चलते - चलते थक गये थे ।

(ग) उसने अपनी दुकान खोली ।

- उन्होंने अपनी दुकानें खोलीं ।

(घ) अब वह उस हलवाई की राह देखने लगा ।

- अब वे उन हलवाइयों की राह देखने लगे ।

(ङ) वह बहुत ईमानदार था ।

- वे बहुत ईमानदार थे ।

(च) वह थका हुआ भी था ।

- वे थके हुए भी थे ।

(छ) हलवाई की दुकान के आगे तख़्ता लगा दिखाई दिया ।

- हलवाइयों की दुकानों के आगे तख़्ते लगे दिखाई दिये ।

6. नीचे मार्ग शब्द का समान अर्थ वाला शब्द दिया गया है । इसी तरह बाकी शब्दों के भी समान अर्थ वाले शब्द लिखें :-

(1) मार्ग = राह
(2) ईमानदार = सच्चा / नेकनीयत
(3) मेहनत = श्रम
(4) बेटा = पुत्र
(5) आराम = विश्राम
(6) वृक्ष = पेड़
(7) प्रसन्न = खुश
(8) बालक = बच्चा

7. निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से देखो । बच्चो! आपको इनके भीतर ही कम से कम दो और शब्द बने मिलेंगे । ढूँढ़िए और लिखिए :-

मूल शब्द		शब्द में छिपे शब्द
(1) कमाना	=	कम, कमा, कमान,मान, माना
(2) आराम	=	राम, आम
(3) हलवाई	=	हलवा, हल

(4) ईमानदारी = मान, दान
(5) समान = मान, नाम

8. मिलान करो :-

10. दिए गए बाक्स में से विपरीत शब्द चुनकर लिखें :-

1. गुण = अवगुण
2. प्रवेश = प्रस्थान
3. प्रसन्न = उदास
4. पहले = पश्चात
5. सुख = दुःख
6. सच = झूठ
7. एक = अनेक
8. गाँव = शहर

प्रयोगात्मक व्याकरण

निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाचक संज्ञा छाँटिये :-

(क) गर्मी का मौसम था ।

(ख) शंकर गाँव वालों की मदद किया करता था ।

(ग) गाँव वाले उसे बहुत प्यार करते थे ।

(घ) वह मेहनत करके ही धन कमाना चाहता था ।

(ङ) वह झूठ कभी नहीं बोलता था ।

(च) वह भीख माँगना बुराई समझता था ।

प्रस्तुतकर्ता :-
वीरपाल शर्मा
सरकारी मिडल स्मार्ट स्कूल,
बाहमणिआँ
(जालंधर)

शिक्षा विभाग , पंजाब ।

मार्गदर्शक :
डॉ: सुनील बहल,
सहायक निर्देशक (एस.सी.ई.आर.टी.पंजाब)

प्रस्तुतकर्ता:
वीरपाल शर्मा,
हिन्दी शिक्षिका,
सरकारी मिडल स्मार्ट स्कूल,
बाहमणिआँ,
जालंधर ।

संशोधन:
पंकज माहर,
हिन्दी अध्यापिका,
स.मा.सी.से.स्कूल,
लाडोवाली रोड़,
जालंधर ।

संयोजक:
राजन,
हिन्दी शिक्षक,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
लोहारका कलाँ, अमृतसर ।

rawpixel